आउटकम बजट 2018–19

विभाग का नाम : पॉवर ट्रान्समिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि0 (पिटकुल)

विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित एस0डी0जी0 : एस0डी0जी0 7

(धनराशि लाख रू0 में)

Ø0 l0	;kstuk dk uke	;kstuk ds mn~ns’;	vuqekfnr ctV ¼:0 yk[k eas½		SDG Goals / Indicators	ifjdfYir ¼iksztDVsM vkmViqV½ 2018&19	1@4@17 dh fLFkfr	ifjdfYir ¼iksztDVsM½ vkmVde	lek; lhek
			jktLo	iwathxr					
1	2	3	4		5	6	7	8	10
1	उत्तराखण्ड इन्टीग्रेटीड ट्रासमिशन सिस्टम (ए0डी0बी0 वित्त पोषित योजना)	उत्तराखण्ड इन्टीग्रेटीड ट्रासमिशन सिस्टम के माध्यम से केन्द्र सरकार, राज्य सरकार तथा निजी क्षेत्रो को आवंटित विद्युत परियोजनाओं के द्वारा उत्पादित ऊर्जा का सुचारू निप्कासन किया जाना है।		7587-00	एस0 डी0 जी0 7	उत्तराखण्ड इन्टीग्रेटीड ट्रासमिशन सिस्टम के अन्तर्गत अलकनन्दा बेसिन में 400 के0वी0 खन्दूखाल – रम्पुरा लाईन निमार्ण की परियोजना मुख्य है।	विद्युत लाईन 1. 132 के0वी लाईन 1904.17 सर्किट कि0मी0। 2. 220 के0वी लाईन 819.57 सर्किट कि0मी0। 3. 400 के0वी0 लाईन 416 सर्किट कि0मी0। उपसंस्थान 1. 132 के0वी0 उपसंस्थानों की संख्या 29 नग। 2. 220 के0वी0	अलकनन्दा बेसिन में विभिन हाइड्रो परियोजनाओ द्वारा उत्पादित ऊर्जा सीधे प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र से जुडेगी तथा प्रदेश के उपभोक्ताओं को कम लागत की जल विद्युत ऊर्जा की प्राप्ति होगी।	2-5 o"kZ
2	राज्य सेक्टर (आर0ई0सी व पी0एफ0सी पोषित	आर0ई0सी तथा पी0एफ0सी0 पोषित योजनाओं के माध्यम से पारेषण लाईनों तथा उपसंस्थानों का सुदृढ़ीकरण		4700-00	एस0 डी0 जी0 7	उत्तराखण्ड ट्रासमिशन सिस्टम के अन्तर्गत 400 के0वी0 उपसंस्थान, लढौरा, 400 के0वी0 डी0सी0 पीपलकोटी से नाकोट, नाकोट से दानपुर तथा दानपुर से श्रीनगर		विद्युत आपूर्ति में सुधार होगा एवं वोल्टेज में सुधार के साथ गुणवत्ता युक्त विद्युत आपूर्ति प्रदेश के	2 o"kZ

	योजना)					लाईन का निर्माण कार्य, 220 के0वी0 उपसंस्थान, पिरान कलियार, 220 के0वी0 डी0सी0 लखवाड देहरादून तथा व्यासी पर लिलो कार्य, 220 के0वी0 उपसंस्थान, घनसाली, ब्रहम, रूद्रपुर (ब्रहमवारी), जाफरपुर,, आई0आई0पी0 हर्रावाला देहरादून तथा सम्बन्धित लईनों का निर्माण कार्य। 132 के0वी0 पुरूकुल बिन्दाल लिंक लाईन, 132 के0वी0 उपसंस्थान, लोहाघाट तथा सम्बन्धित लाईनें, 132 के0वी0 रानीखेत बागेश्वर लाईन, 132 के0वी उपसंस्थान, बागेश्वर तथा 132 के0वी0 उपसंस्थान, पतंजलि, हरिद्वार का का निर्माण कार्य मुख्य है।	उपसंस्थानों की संख्या 8 नग। 3. 400 के0वी0 उपसंस्थानों की संख्या 3 नग।	उपभोक्ताओं को प्राप्त होगी।	